

केंद्रीय कार्यालय

Central Office

CO:IRD:2023-24:180

18<sup>th</sup> July, 2023

National Stock Exchange of India Limited Exchange Plaza, Plot No.C/1, 'G' Block Bandra-Kurla Complex Bandra (E), Mumbai-400 051 <b>Scrip code – CENTRALBK</b>	BSE Ltd. Corporate Relationship Department Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street, Fort Mumbai 400001 <b>Scrip Code – 532885</b>
--	---

Madam/ Dear Sir,

**Sub: Newspaper Publication/Advertisement - Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results of the Bank for the Quarter ended 30<sup>th</sup> June, 2023.**

Pursuant to Regulation 47 & 52 of the SEBI (LODR), Regulations, 2015, please find enclosed herewith copy of Newspaper Publication/Advertisement regarding the Financial Results of the Bank for Quarter ended 30<sup>th</sup> June, 2023 which are published in the following newspapers on 18<sup>th</sup> July, 2023 :-

Particulars	Name of the Newspaper	Language	Editions
Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results of the Bank for the Quarter ended 30 <sup>th</sup> June, 2023.	Financial Express	English	All
	Business Standard	English	All
	Business Standard	Hindi	All
	Tarun Bharat	Marathi	Mumbai

Please take the above on your record.

Thanking you,

Yours faithfully,

For **CENTRAL BANK OF INDIA**

**CHANDRAKANT BHAGWAT**  
Company Secretary & Compliance Officer

Encl- A/a











# 5 वर्षों में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से उबरें

नीति आयोग ने जारी की 'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक: प्रगति समीक्षा 2023' रिपोर्ट

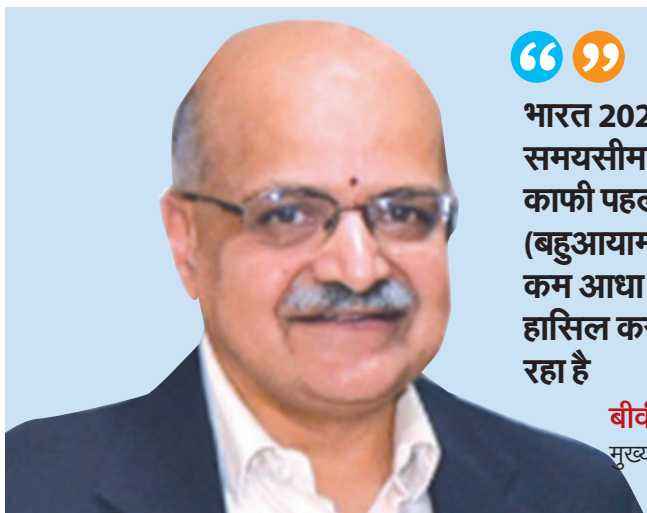
शिवा राजौरा और ध्रुवाक्ष साहा

भारत में साल 2015-16 से 2019-21 के बीच 13.5 करोड़ लोग गरीबी से उबर गए हैं। नीति आयोग द्वारा सोमवार को जारी किए गए राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) से यह जानकारी मिली है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएस-5) के आंकड़ों के अनुसार, देश में बहुआयामी गरीब लोगों की हिस्सेदारी साल 2015-16 के 24.85 फीसदी से घटकर 2019-21 में 14.96 फीसदी हो गई। यह सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में सुधार को दर्शाता है, जो इसके सतत विकास के लक्ष्य (एसडीजी) के अनुरूप है। इसमें पोषण, बाल एवं किशोर मृत्युदर, मांओं के स्वास्थ्य, स्कूलों में उपस्थिति, खाना बनाने में उपयोग होने वाले ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और आवास जैसे बुनियादी संकेतक शामिल हैं। यह सूचकांक आय गरीबी के आकलन का पूरक है क्योंकि यह सीधे अभावों का आकलन करता है और तुलना करता है। इससे पहले गरीबी का अनुमान मुख्य रूप से एकमात्र संकेतक आय पर निर्भर था।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि साल 2015-16 और 2019-21 के बीच एमपीआई वैल्यू 0.117 से लगभग आधा होकर 0.066 हो गया और गरीबी की तीव्रता 47 फीसदी से घटकर 44 फीसदी हो गई, जिससे भारत एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) लक्ष्य 1.2 प्राप्त करने की राह पर निकल गया, जिससे साल 2030 के लिए तय की गई मियाद से बहुत पहले बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा करने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट जारी करने के दौरान नीति आयोग के मुख्य कार्याधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यन ने कहा कि भारत 2023 की निर्धारित समयसीमा की तुलना से काफी पहले एसडीजी 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा घटाने के लक्ष्य) को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है।



## क्या है पैमाना

■ अब 12 संकेतकों के आधार पर मापी जाती है गरीबी, पहले केवल आय के आधार पर होती थी तुलना

■ साल 2015-16 और 2019-21 के बीच एमपीआई वैल्यू 0.117 से आधा होकर 0.066 हो गई

■ गरीबी की तीव्रता 47 फीसदी से घटकर 44 फीसदी रह गई

उन्होंने कहा, 'स्वच्छता, पोषण, खाना पकाने के ईंधन, वित्तीय समावेशन, पेयजल और बिजली तक पहुंच में सुधार पर सरकार के ध्यान देने के कारण इन क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण प्रगति हुई है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने स्वास्थ्य में अभावों को कम करने में योगदान दिया है, जबकि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) जैसी पहलों ने देश भर में स्वच्छता में सुधार किया है।'

इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि वैश्विक महामारी जब चरम पर थी उस दौरान केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कारण ग्रामीण

क्षेत्रों में बहुआयामी गरीबी में तेजी से गिरावट देखी गई, जो 32.59 फीसदी से घटकर 19.28 फीसदी हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 8.65 फीसदी से घटकर 5.27 फीसदी हो गई।

सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी अनुमान के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुआयामी गरीबी के अनुपात में सबसे अधिक कमी उत्तर प्रदेश में देखी गई, जहां 3.43 कोरड लोग बहुआयामी गरीबी से उबरें। इसके बाद बिहार (2.25 कोरड), मध्य प्रदेश (1.35 कोरड) राजस्थान (1.08 कोरड) और पश्चिम बंगाल (92.6 लाख) का स्थान है।

## निर्यात तैयारी सूचकांक में तमिलनाडु शीर्ष पर, गुजरात चौथे स्थान पर

नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक 2022 में महाराष्ट्र और गुजरात को पीछे छोड़कर तमिलनाडु शीर्ष राज्य बन गया है। सूचकांक का मकसद राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रदर्शन के लिहाज से उनकी तैयारी का आकलन करना है। आयोग ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि सूचकांक के तीसरे संस्करण में तमिलनाडु ने कुल 80.89 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र 78.20 अंक के साथ दूसरे और कर्नाटक 76.36 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। पिछले दो संस्करणों में शीर्ष पर रहा गुजरात इस बार 73.22 अंक के साथ चौथे स्थान पर चला गया।

तटीय राज्यों की रैंकिंग में इसके बाद आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और केरल का स्थान रहा। पहाड़ी-हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड शीर्ष स्थान पर है। इसके बाद हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम, नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम का स्थान है। भूमि से धिरे राज्यों में हरियाणा शीर्ष पर है। इसके बाद तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान का स्थान रहा।

केंद्र शासित प्रदेशों और छोटे राज्यों की श्रेणी में गोवा को पहला स्थान मिला। इसके बाद जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, अंडमान और निकोबार और लद्दाख का स्थान था। इस सूचकांक के लिए राज्यों का मूल्यांकन चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है- नीति, व्यापार परिवेश, निर्यात माहौल और निर्यात प्रदर्शन।

भाषा

## 20 से सत्र, सत्ता पक्ष और विपक्ष तैयारी में

अर्चिस मोहन

संसद के मौसू सत्र की शुरुआत गुरुवार को होगी। 11 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में कुल 17 बैठकें होंगी। समझा जा रहा है कि इस सत्र में भी सरकार और विपक्ष के बीच जमकर जुबानी उठापटक होगी। अगर संसद की कार्यवाही में कोई व्यवधान नहीं हुआ तब भी 1952 के बाद से वर्तमान 17वीं लोकसभा पर सबसे छोटी पूर्णकालिक लोकसभा होने का ठपका लगा जाएगा।

इस वर्ष अप्रैल में बजट सत्र समाप्त होने तक 17वीं लोकसभा में 230 बैठक दिवस पूरे हो चुके हैं। जिन लोकसभाओं ने पांच वर्षों के कार्यकाल पूर्ण किए हैं उनमें 16वीं लोकसभा में सबसे कम बैठक दिवस (331 दिन) हुए थे। वर्तमान लोकसभा पूरा होने में एक वर्ष और है और इस दौरान तीन सत्र आयोजित होंगे, जिनमें आगामी मौसू सत्र भी शामिल है। वर्तमान लोकसभा में प्रत्येक वर्ष औसतन बैठक दिवसों की संख्या 58 रही है। कांग्रेस के नेतृत्व में

विपक्षी दलों का कहना है कि वे मणिपुर के हालात, रेल सुरक्षा, आवश्यक जित्तों की कीमतों में वृद्धि और महिला पहलवानों द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोप पर सरकार से

जवाब मांगेगी। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को धन शोधन निरोधक अधिनियम के अंतर्गत लाने का मुद्दा उठाएगी। रमेश ने कहा कि इससे लाखों व्यापारियों एवं लघु एवं सूक्ष्म कारोबारों पर असर हो रहा है।

कांग्रेस ने कहा कि 'नए पहलुओं के उजागर होने के बाद' पिछले सत्र की तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अदानी समूह के बीच कथित संबंधों की जांच एक संयुक्त संसदीय समिति से कराने की मांग करेगी। संसद के मौसू सत्र में जिन विधेयकों पर चर्चा संभावित है उनमें सर्वाधिक बखेड़ा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक पर हो सकता है। यह विधेयक उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसमें दिल्ली सरकार के अंतर्गत अफसरशाही पर केंद्र को



अधिकार दिए गए हैं। 11 मई को उच्चतम न्यायालय से पक्ष में निर्णय नहीं आने के बाद सरकार यह अध्यादेश लेकर आई थी।

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद इस अध्यादेश का विरोध कर सकते हैं। पार्टी के राज्यसभा में 10 सांसद हैं। कांग्रेस ने भी शनिवार को आगामी मौसू सत्र के लिए रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई बैठक में इस विधेयक का विरोध करने का निर्णय लिया।

रविवार को कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि उनकी पार्टी का रुख बिल्कुल साफ है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विपक्षी दलों का कहना है कि वे मणिपुर के हालात, रेल सुरक्षा, आवश्यक जित्तों की कीमतों में वृद्धि और महिला पहलवानों द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोप पर सरकार से

जवाब मांगेगी। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को धन शोधन निरोधक अधिनियम के अंतर्गत लाने का मुद्दा उठाएगी। रमेश ने कहा कि इससे लाखों व्यापारियों एवं लघु एवं सूक्ष्म कारोबारों पर असर हो रहा है।

कांग्रेस ने कहा कि 'नए पहलुओं के उजागर होने के बाद' पिछले सत्र की तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अदानी समूह के बीच कथित संबंधों की जांच एक संयुक्त संसदीय समिति से कराने की मांग करेगी। संसद के मौसू सत्र में जिन विधेयकों पर चर्चा संभावित है उनमें सर्वाधिक बखेड़ा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक पर हो सकता है। यह विधेयक उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसमें दिल्ली सरकार के अंतर्गत अफसरशाही पर केंद्र को

## विपक्षी दलों का मंथन आज, राजग की भी बैठक दिल्ली में

अर्चिस मोहन

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा गठित करने के मुद्दे पर चर्चा के लिए मंगलवार को बेंगलूरु में आयोजित बैठक में 26 दल भाग लेंगे। उधर, शाम तक भाजपा ने भी कहा कि मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में 38 दल शामिल होंगे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टियां केवल सत्ता हासिल के लिए नहीं बल्कि लोकतंत्र की रक्षा करने, संवैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित करने और संस्थानों की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए एक साझा उद्देश्य के साथ एकजुट हुई हैं। दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 38 दलों का यह गठबंधन सत्ता हासिल करने के लिए नहीं बल्कि लोगों की सेवा करने और एक मजबूत भारत को आकार देने के लिए है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 23 जून की पटना बैठक में 15 दलों के नेता शामिल हुए थे, मगर बेंगलूरु बैठक में 26 दल शामिल होंगे। इससे गठबंधन के बढ़ते आकार का पता चलता है। कांग्रेस ने कहा कि यह बैठक मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में नाटकीय बदलाव लाएगी। उसने कहा कि पटना बैठक ने भाजपा को बैचैन कर दिया था और इसलिए उसे मजबूत राजग को मजबूत करने की कोशिश करनी पड़े रही है। पहले भाजपा सीना ठोककर कहती थी कि वह अपने दम पर विपक्ष को हरा सकती है।

नड्डा ने मीडिया को संबोधित करते



मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी का स्वागत करते सिद्धारमैया

हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन और विकास के एजेंडे से प्रेरित किसी भी पार्टी का राजग में स्वागत है। भाजपा प्रमुख ने राजग का दायरा बढ़ाने का श्रेय मोदी के मजबूत नेतृत्व और श्रद्धाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस को दिया। नड्डा से जब पूछा गया कि क्या शिरोमणि अकाली दल और राष्ट्रीय लोक दल भी राजग में शामिल हो सकते हैं तो उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा अपने पूर्व सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार किया है और उसे उन तक पहुंचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि 2023 में राजग की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ है। हाल में राजग में शामिल हुए कुछ लोगों के बारे में नड्डा ने कहा कि भाजपा का अंतिम उद्देश्य पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाना है और उसे पूरा करने के लिए पार्टी की रणनीति डायनेमिक है।

संयोग से, लोकसभा में 38 राजनीतिक दलों का एक या अधिक सीटों के साथ मौजूदगी है। फिलहाल दोनों मोर्चों में कुल 64 दल शामिल हैं। इनमें से कई एसो पार्टियां भी हैं जिनकी राज्यों में मौजूदगी है। आम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) रविवार को भाजपा

के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गई। उत्तर प्रदेश में इसके छह विधायक हैं जिनमें सजायाफता गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के बेटे मऊ विधायक अब्बास अंसारी भी शामिल हैं।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओन्नयन ने कहा कि विपक्षी दलों ने कहानी गढ़ दी है और भाजपा उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रही है। उन्होंने कहा कि 8 राजग दलों के पास एक भी सांसद नहीं है, 9 के पास एक और 3 के पास दो सांसद हैं। हालांकि संसद में सभी 26 विपक्षी दलों का प्रतिनिधित्व नहीं है।

नड्डा ने कहा कहा कि जनता ने तय कर लिया है कि वह 2024 में मोदी को वापस लाएगी। उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान का भी राजग में स्वागत किया। बेंगलूरु में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार विपक्ष को चुप कराने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को अस्थिर करना इनका एक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को संयोग पछुने से रोकने के लिए अव्यक्त ठहरा दिया गया है। कांग्रेस ने कहा कि गठबंधन का नाम अभी तय नहीं हुआ है।

## जयशंकर 'निर्विरोध' निर्वाचित

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर सहित भाजपा के तीन उम्मीदवारों को सोमवार को गुजरात से राज्यसभा के लिए 'निर्विरोध' निर्वाचित घोषित कर दिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। जयशंकर के अलावा, छह साल के कार्यकाल के लिए संसद के उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए भाजपा के दो अन्य उम्मीदवारों में केसरदेवसिंह झाला और बाबूभाई देसाई शामिल हैं। जयशंकर के लिए भाजपा शासित गुजरात से राज्यसभा में दूसरा कार्यकाल होगा।

पंजाब नैशनल बैंक		punjab national bank			
... भरोसे का प्रतीक		... the name you can BANK UPON!			
शेयर विभाग, बोर्ड और समन्वय प्रभाग					
प्लॉट संख्या. 4 द्वारका सेक्टर 10, नई दिल्ली-110075					
ई-मेल : hosd@pnb.co.in, दूरभाष # 011-28044857					
सार्वजनिक सूचना					
एतद्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित बैंक का शेयर प्रमाण पत्र खोने/गुम/चोरी होने के रूप में रिपोर्ट किया गया है और इसके पंजीकृत धारकों/दावेदारों ने ड्रुलिकेट शेयर प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अनुरोध किया है।					
क्र.	शेयरधारक(को) का सं.	फोलियो संख्या	प्रमाण-पत्र संख्या	शेयरों की विशिष्ट संख्या	शेयरों की संख्या
1.	जनक सुन्दरी त्रिपाठी राम कृष्ण त्रिपाठी (संयुक्त-1)	0016941	000984	724001-725000	1000
किसी व्यक्ति द्वारा उक्त शेयरों के संबंध में कोई दावा/उपरोक्त उल्लिखित शेयरधारक/दावेदार के पक्ष में ड्रुलिकेट प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में किसी भी आपत्ति के मामले में उसे/उन्हें इस सूचना के प्रकाशन तिथि के 15 दिन के भीतर अपने दावे या आपत्ति दर्ज करनी चाहिए। यदि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि की से 15 दिनों के भीतर, उक्त प्रमाण पत्र के संबंध में बैंक द्वारा कोई दावा प्राप्त नहीं किया जाता है तो ड्रुलिकेट शेयर प्रमाण पत्र/ ड्रुलिकेट प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। सामान्य जन को उपर्युक्त प्रमाण पत्र के साथ किसी भी तरह के लेन-देन से सावधान किया जाता है।					
कृते पंजाब नैशनल बैंक (एकता पसरीबा) कंपनी सचिव					
दिनांक : 17.07.2023					
स्थान : नई दिल्ली					

## 'दिल्ली सरकार सतर्कता विभाग के अधिकारियों को परेशान कर रही'

भाविनी मिश्रा

केंद्र सरकार ने सोमवार की शाम को दिल्ली अध्यादेश का बचाव करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर किया। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामा में केंद्र ने कहा है कि दिल्ली सरकार राजधानी को पंगु बनाने की कोशिश कर रही है और सतर्कता विभाग के अधिकारियों को लगातार परेशान कर रही है।

19 मई को केंद्र सरकार द्वारा जारी विचाराधीन अध्यादेश ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार को सेवाओं का नियंत्रण दिए जाने (11 मई) के ठीक सात दिन बाद दिल्ली सरकार के सेवा विभाग का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया।

हलफनामा में कहा गया है, 'जब अध्यादेश जारी करने का निर्णय लिया गया तो संसद सत्र दो महीने दूर था और किसी भी देरी से न केवल राष्ट्रीय राजधानी का प्रशासन



केंद्र सरकार ने सोमवार को दिल्ली अध्यादेश मामले में सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर किया

पंगु हो जाता, बल्कि देश के भीतर और बाहर पूरे देश को शर्मिंदा होना पड़ता। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि केंद्र का अध्यादेश अधिशासी आदेश का असंवैधानिक तरीका था जिसने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को खत्म करने का प्रयास किया।

क्र.	विवरण	एकल				समेकित			
		30.06.2023 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	30.06.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	30.06.2023 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	30.06.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित
1	कुल परिवर्तन आय	8,18,392	8,56,745	6,35,748	29,62,560	8,21,802	8,59,568	6,38,724	29,74,159
2	इस अवधि के लिए निवल लाभ / (हानि) (कर-पूर्व, विशेष तथा/अथवा असाधारण मदें)	1,02,499	90,315	30,764	2,64,534	1,10,507	92,597	34,819	2,75,148
3	इस अवधि के लिए कुल निवल लाभ / (हानि) (विशेष तथा/अथवा असाधारणमदों के पश्चात)	1,02,499	90,315	30,764	2,64,534	1,10,507	92,597	34,819	2,75,148
4	इस अवधि के लिए कर-पश्चात निवल लाभ / (हानि) (विशेष तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	41,843	57,103	23,478	1,58,220	49,498	59,100	27,290	1,67,878
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (कर के बाद) (हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद) शामिल	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें	कृपया नोट 3 देखें
6	मूलांकन की गई इंडिटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य ₹ 10/- प्रति शेयर)	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094
7	आरक्षित निधियां (पुनर्मुल्यांकन आरक्षित निधियों को छोड़कर)	-	-	-	16,77,838	-	-	-	16,88,621
8	प्रतिभूति प्रीमियम खाता	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663
9	निवल मूल्य	25,88,155	25,44,941	24,05,297	25,44,941	26,05,704	25,54,832	24,10,131	25,54,832
10	चुकता ऋण पूंजी/बकाया ऋण (%)	25.21%	30.79%	20.69%	30.79%	24.57%	30.00%	20.42%	30.00%
11	बकाया मोचनीय अधिमानी शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-
12	ऋण इंडिटी अनुपात	0.19	0.14	0.21	0.14	0.19	0.14	0.21	0.14
13	प्रति शेयर आय (प्रति रु 1/-) (वार्षिकीकृत नहीं)	1. मूल	0.48	0.66	0.27	1.82	0.57	0.68	0.31
	(चालू एवं बंद परिवर्तनों के लिए)	2. कम करने के पश्चात	0.48	0.66	0.27	1.82	0.57	0.68	0.31
14	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	-	-	-	-	-	-	-	-
15	डिबेंचर मोचन आरक्षित निधि	-	-	-	-	-	-	-	-
16	कर्ज सेवा कवरेज अनुपात	लागू नहीं				लागू नहीं			
17	व्याज सेवा कवरेज अनुपात	लागू नहीं				लागू नहीं			
नोट 1:	अ) उपर्युक्त विवरण सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 33 और 52 के अंतर्गत शेयर बाजारों के पास जमा किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही परिणामों का सम्पूर्ण प्रारूप शेयर बाजारों की वेबसाइट <a href="http://www.bseindia.com">www.bseindia.com</a> , <a href="http://www.nseindia.com">www.nseindia.com</a> और बैंक की वेबसाइट <a href="http://www.centralbankofindia.co.in">www.centralbankofindia.co.in</a> पर उपलब्ध है।								
नोट 2:	लिरिगेंड विनियमों के विनियम 52(4) में संदर्भित बैंक पर लागू अन्य लाइन आइटम के लिए, स्टॉक एक्सचेंजों (बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) को प्रारंभिक खुलासे किए गए हैं और इन्हें <a href="http://www.bseindia.com">www.bseindia.com</a> , <a href="http://www.nseindia.com">www.nseindia.com</a> ] पर देखा जा सकता है।								
नोट 3:	कुल व्यापक आय और अन्य व्यापक आय से संबंधित जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है क्योंकि IndAS को अभी तक बैंक पर लागू नहीं किया गया है।								
नोट 4:	वर्तमान अवधि वगैरह के अनुरूप होने के लिए जहां भी आवश्यक समझा गया, पिछली अवधि के आंकड़ों को फिर से समूहीकृत/पुनः वर्गीकृत किया गया है।								
स्थान: मुंबई	विवेक वाही				एम वी मुरलीकृष्ण				एम वी राव
दिनांक: 17 जुलाई, 2023	कार्यपालक निदेशक				कार्यपालक निदेशक				प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी
www.centralbankofindia.co.in   हमें वहाँ कैसे ढूँढें: <a href="https://www.facebook.com/CentralBankofIndia">f</a> <a href="https://www.instagram.com/CentralBankofIndia">i</a> <a href="https://www.linkedin.com/company/CentralBankofIndia">in</a> <a href="https://www.youtube.com/channel/UC...">yt</a> CentralBankofIndia   टेली फोन नंबर: 1800 22 19 11									



उलट्या, जुलाबाची तीव्रता ही तीन वर्षांखालील मुलांमध्ये अधिक असते व त्यातील काही मुलांना शरीरातील पाणी कमी झाल्यामुळे रूग्णालयात दाखल करावे लागते. शाळेत जाणाऱ्या मुलांमध्ये उलट्या, जुलाब सुरु झाले, तर व्यवस्थित उपचार केल्यास रूग्णालयात दाखल करण्याची पाळी सहसा येत नाही.

- उलट्या, जुलाबाची कारणे**
- १) दूषित अन्न व पाण्यातून जंतूंचा प्रादुर्भाव : सालमोनेला, शिगला, कॉलरा, इकोलाय व प्रोटिफेज जंतू उलट्या, जुलाबास कारणीभूत ठरतात.
  - २) जीवाणूंचा प्रादुर्भाव : 'रोटा व्हायरस' : मुख्यत्वेकरून या जुलाबाची लागण लहान मुलांमध्ये होते.
  - ३) कृमी : अमिबा, जिआरडिया यांसारख्या कृमी व जंतूंचा प्रादुर्भाव यामुळे देखील उलट्या जुलाब होऊ शकतात.
  - ४) अन्न विषबाधा : शिळे अन्न, दूषित अन्न

## गॅस्ट्रो, उलट्या आणि जुलाब



पाणी कमी (डिहायड्रेशन) झाल्याचे निदान करू शकतात.

- १) कमी प्रमाणातील डिहायड्रेशन: अंग गरम लागणे, नाडी जोराने चालणे, अस्वस्थपणा वाटणे.
- २) मध्यम प्रमाणातील डिहायड्रेशन : त्वचेचा लवचीकपणा कमी होऊन त्वचेला सुरकुचण्या पडणे.
- ३) तीव्र प्रमाणातील डिहायड्रेशन : डोळे खोल जाणे, जीभ कोरडी पडणे, लघवी कमी होणे, शुद्ध हरपणे. याशिवाय फणफणून ताप येणे, आकडी येणे, शौचावाटे रक्त जाणे, शुद्ध हरपणे इत्यादी उपद्रवदेखील या आजारात दिसू शकतात. कुपोषण असलेल्या मुलांमध्ये उपद्रव होण्याची शक्यता जास्त असते. अशा मुलांच्या जीवाला देखील धोका निर्माण होऊ शकतो.

मध्यम व तीव्र प्रमाणात डिहायड्रेशन असलेल्या मुलांना रूग्णालयात दाखल करून उपचार करावे लागतात. मात्र, उलट्या, जुलाब सुरु झाल्यावर वेळीच डॉक्टरच्या सल्ल्याने उपचार सुरु केल्यास रूग्णालयात दाखल करण्याचे टाळा येते.

- उपचार**
- मुलांमध्ये उलट्या, जुलाबाच्या आजारावर उपचार करताना खालील गोष्टींचा प्रामुख्याने विचार केला जातो.
१. शरीरातील पाणी व क्षार कमी होऊ न देणे
  २. जंतुमुळे किंवा कृमीमुळे उलट्या जुलाब होत असल्यास त्यावरील औषधोपचार करणे.
  ३. अन्न व पोषक द्रव्यांचा व्यवस्थित पुरवठा ठेवणे.
  १. शरीरातील पाणी व क्षार कमी होऊ न देणे : जास्त प्रमाणात उलट्या व जुलाब होत

असल्यास नसेतून सलाईन देऊन डिहायड्रेशन टाळा येते. कमी प्रमाणात उलट्या, जुलाब होत असल्यास मीठ-साखरेचे पाणी जास्त प्रमाणात पाजावे. बाजारत अनेक 'ओआरपी' (Oral Rehydration Powder) उपलब्ध आहेत. घरीदेखील 'ओआरएफ' (Oral Rehydration Fluid) बनविता येते.

- दोन ग्लास पाण्यामध्ये एक मूठ साखर व दोन चिमूट मीठ टाकून 'ओआरएफ' बनविता येते. हे पाणी जास्तीत जास्त पाजणे आवश्यक असते. साधारणतः पाच वर्षांच्या मुलाला तीन ते चार ग्लास 'ओआरएफ' पाजावे. यामध्ये काटकसर करू नये.
- २) औषधोपचार : जंतुमुळे होणाऱ्या उलट्या, जुलाबावर सेप्ट्रान (Septran), ग्रॅमोनेग (Gramoneg) नॉरफ्लॉक्स (Norflox) ही औषधे लागू पडतात. कृमीमुळे होणाऱ्या जुलाबावर मेट्रोपॉल (Metrogly) मेबेक्स

(Mebex) ही औषधे लागू पडतात. बऱ्याच वेळा जुलाब हे जंतुमुळे होतात की कृमीमुळे हे निदान करणे. कठीण जाते अशा वेळेस ही दोन्ही औषधे एकत्र दिली जातात. उदा. ग्रॅमोनेग (Gramogyl) नॉरमेट (Normet) ही औषधे मुलांचे वय व वजन यांचा विचार करून दिली जातात त्यामुळे ती फक्त डॉक्टरांच्या सल्ल्यानेच घ्यावीत.

**प्रतिबंधात्मक उपाय**

पावसाळ्यात पाणी दूषित असते. तसेच सर्वत्र माश्यांचे धैमान असते. यामुळे साथ लवकर फैलावते. पावसाळ्यात पाणी गाळून व उकळवून घ्यावे. हे जरा त्रासाचे असले तरी आरोग्यदायी आहे. Zero B, Aqua Guard यानेदेखील पाणी शुद्ध राखता येते. प्रवासात शक्य असल्यास 'मिनरल वॉटर' पिणे. शिळे अन्न, हॉटेलमधील व फेरीवाल्यांकडील पदार्थ सहसा खाऊ नये. श्रावण महिन्यात आपण मांसाहार बंद करतो. त्याप्रमाणे पावसाळ्यात बाहेरील पदार्थ खाणे शक्यतो टाळावे. शाळेच्या बाजूस अन्नपदार्थ विकणारे फेरीवाले असल्यास त्यांना निदान पावसाळ्यापुरते तरी दूर करावे. हे सर्व तुम्ही आम्ही करण्याचे उपाय. आपल्या मायबाप सरकारकडून व लोकप्रतिनिधींकडून काय अपेक्षा कराव्या? शुद्ध आणि मुबलक पाणी पुरवठ्याचे वचन प्रत्येक पक्ष व सरकार देते. या भुलथापांना भुरळून आपण त्यांना निवडून देतो. त्यांच्याकडून जनतेच्या असलेल्या

अपेक्षा पुढीलप्रमाणे आहेत.

- १) पिण्याच्या पाण्याचा पाईप व सांडपाण्याचा पाईप यामध्ये अंतर असावे.
- २) पिण्याचा पाण्याची टाकी व सांडपाण्याची टाकी यामध्ये अंतर असावे. अनधिकृत बांधकामामध्ये बिल्डर, समाजसेवक व सरकारी अधिकारी गबबर होतात. पण, सार्वजनिक आरोग्याची वाट लागते. असल्या लोकांचा जाहीर निषेध करण्यासाठी सामान्य नागरिकांनी एकत्र यावे. दुर्दैवाने असे होत नाही. उलट असल्या समाजसेवकांचा आपण सत्कार घडवून आणतो.
- ३) पावसाळाच्या पाण्याने कचरा लगेच कुजतो व ते रोगराईस निमंत्रण ठरते. कचऱ्याच्या कुंड्या नियमितपणे साफ करून त्याभोवती कीटकनाशक पावडर टाकणे. लोकप्रतिनिधींनी खास करून पावसाळ्यात या गोष्टींवर विशेष लक्ष द्यावे.
- ४) गलिच्छ वर्तमानेमध्ये रस्त्यावर शौचालयास बसण्यास मुलांना शिकवून द्यावे व शेत आल्यास अशा मुलांना, पालकांना दंड करावा.
- ५) हॉटेल, फेरीवाले यांच्याकडील अन्न व पाणी यांची नियमित तपासणी केली जावी. प्रतिबंधात्मक उपायात शिक्षकांचा सहभाग महत्त्वाचा ठरू शकतो. एखाद्या तासाला शिक्षकांनी मुलांना पावसाळ्यात होणाऱ्या साधिका रोगांची माहिती द्यावी. कावीळ, टायफॉईड, कॉलरा इत्यादी रोगांच्या माहितीबरोबर पाणी व अन्न शुद्धीकरणे उपाय याबद्दल माहिती द्यावी. याने काही मुलांनी, प्रभावित होऊन चांगल्या सवयी जडवून घेतल्या, तर सार्वजनिक आरोग्याच्या दृष्टीने ते एक मोठे कार्य ठरणाऱे आहे.

९८९२९३२८०३

**नि** राशावादी व्यक्ती वाऱ्याबद्दल तक्रार करतो. पण आशावादी व्यक्ती ते बदलण्याची अपेक्षा करतो. मात्र, वास्तववादी व्यक्ती शीड समायोजित करतो. आयुष्यातील विपरीत परिस्थिती असली तरीही हसतमुख, आनंदी आणि सकारात्मक राहणाऱ्या व्यक्तींना आपण सगळ्यांनी पाहिले आहे. महापूर आले, महामारी आली, भूकंप झाले, जीवन विस्कळीत होऊ झाले तरी आपल्या मनात तिच्या 'नॉर्मल' असण्याबद्दल शंका यादी-इतकी ही व्यक्ती विचित्रपणे शांत आणि सकारात्मक राहते. आपण निवडकपणे व जाणीपूर्वक आपल्या भावना सुन्न करू शकत नाही, जेव्हा जेव्हा आपण वेदनादायक भावना सुन्न करण्याचा प्रयत्न करतो, तेव्हा तेव्हा आपण आपल्या सकारात्मक भावनादेखील सुन्न करतो. आपल्या क्लेशदायक भावना नाकारल्याने आपण अधिक सक्षम आणि अधिक लवचीक बनतो, हा लोकप्रिय समज असला तरी संशोधन असे दर्शविते की, ते प्रत्यक्षात आपले मन कमी लवचीक बनवते. भाव किंवा भावना ही सर्वसामान्य भाषा आहे आणि तिचा

## विषारी सकारात्मकतेचे विरुद्ध परिणाम...

'विषारी सकारात्मकता' म्हणजे आनंदी राहण्याचा किंवा आनंदाचा पाठलाग करण्याचा मनावर आलेला अथक दबाव. परिस्थिती कोणतीही असो, 'विषारी सकारात्मकता' अनेकदा वेदनादायक संवेदनांच्या प्रतिसादात प्रकट होते व अवास्तव आशावादी निर्णय घेण्यास प्रोत्साहन देते.



मनावर आलेला अथक दबाव. परिस्थिती कोणतीही असो, 'विषारी सकारात्मकता' अनेकदा वेदनादायक संवेदनांच्या प्रतिसादात प्रकट होते व अवास्तव आशावादी निर्णय घेण्यास प्रोत्साहन देते. ब्लड प्रेशर, कॅन्सरसारख्या आजारात अशा 'विषारी सकारात्मकते' च्या अधीन जाऊन लोकांनी औषधोपचार सोडून दिलेले. रोगासारख्या गोष्टी कठीण आहेत हे स्वीकारले, तरीही जेव्हा तुम्हाला आशा वाटते की गोष्टी बदलू शकतात, तेव्हा ती उपयुक्त सकारात्मकता आहे. याउलट, 'विषारी सकारात्मकता' तुम्हाला कोणत्याही नकारात्मक भावनांचा स्वीकार करण्यास मनाई करायला प्रोत्साहित करते, तेव्हा ते तुमच्या आरोग्यासाठी कठीण असू शकते. सकारात्मक दृष्टिकोन ठेवल्याने मानसिक किंवा शारीरिक आरोग्याच्या समस्यांसह सर्व किंवा बहुतेक समस्यांचे निराकरण होईल. केवळ 'चांगल्या' किंवा 'आनंदी' भावना अनुभवण्यात फायदा आहे, असा चुकीचा समज जनमानसात दिसू येतो. जेव्हा दुःख, वेदना किंवा अग्रिम संवेदना उद्भवतात, तेव्हा या भावनांना नाकारत किंवा त्यांना ना अनुभवता पुढे जाण्याचा प्रयत्न करताना विषारी सकारात्मकतेच्या कल्पनेत अडकलेल्या लोकांना आपणही अग्रिम संवेदना जाणवू शकतात. केवळ सकारात्मक कंपनांनी स्वतःला वेदून घ्या, हा मंत्र विशेषतः तीव्र वैयक्तिक त्रासाच्या वेळी कठोर असू शकतो. जेव्हा लोक आर्थिक अडचणी, नोकरी

**मनोवादा**  
**डॉ. शुभांगी पारकर**

सम्मान आपण केला पाहिजे. तुम्ही या जगात जे कोण आहात याची ते अस्पष्ट अभिव्यक्ती आहेत. दलाई लामा म्हणतात, त्यानुसार आशावादाचा अर्थ असा नाही की, तुम्ही परिस्थितीच्या वस्तुस्थितीबद्दल आंधळे आहात. याचा अर्थ असा आहे की, ज्या काही कठीण समस्या उद्भवतील त्यावर उपाय शोधण्यासाठी तुम्ही सदैव प्रवृत्त राहाल. अर्थात, सकारात्मकता, आशावाद आणि कुतज्ञता दाखवण्यात काहीही चूक नाही. ती पुणर्विशिष्टे माणसाच्या भरभराटीसच मदत करतात. सकारात्मकता केवळ तेव्हाच समस्याप्रधान बनते, जेव्हा ती नकारात्मक भावनांना नाकारण्याचे कार्य करते - जर एखाद्याने आपल्या दुःखाला व्यक्त करण्यास प्रतिसाद दिला असेल, उदाहरणार्थ, हे सर्व चांगल्यासाठी आहे, यातून फक्त सकारात्मक होण्याचा प्रयत्न करा किंवा केवळ चांगली स्थिती मिळतील. ही सगळी खोटी आशासने आहेत. जसे की, तुमच्या आईच्या अकाली मृत्यूनंतर कोणी म्हणत असेल की, सर्व काही कारणास्तव घडते किंवा तुम्ही तुमची नोकरी गमावल्यानंतर सर्व काही चांगले होईल असे कोणी म्हटले, तर ते पचायला जड जाते. अशा वेळी समोर आव्हान हे आहे की,

आपल्या अंतर्गत (किंवा वैयक्तिक) जीवनाला दडपून काहीही होणार नाही. कामावर किंवा अन्यथा हसरा चेहरा ठेवण्यासाठी आपल्या भावनांना नाकारून काहीही साध्य होणार नाही. असे केल्याने लोकांना कमी सुरक्षित, कमी सकारात्मक आणि कमी लवचीक वाटते. जेव्हा जीवनात क्लेशदायक गोष्टी घडतात, तेव्हा तुमच्या आणि इतरांच्या मनी आलेल्या भावना जशा आहेत तशा मान्य करा. वर सांगितल्याप्रमाणे अशा बळजबरीने निर्माण झालेल्या या वस्तुस्थिती भावनांपासून दूर राहा आणि गरज पडले तेव्हा मदत घ्या. स्वतःची काळजी घ्या, आवश्यक असेल तेव्हा समर्थनासाठी विचारा आणि या दडपून टाकणाऱ्या सकारात्मक भावनांना मनात नसताना अजिबात उजाळा देऊ नका. आजकाल, आपण सारे 'सकारात्मक राहा' या संदेशाच्या जवळजवळ अमर्याद हल्ल्याच्या अधीन झालो आहोत. काही बाबतीत, याचा अर्थ बातम्यांमध्ये आणि सोशल मीडियावरील महामारीच्या सकारात्मकतेने संरक्षण करणे आहे. पण, जेव्हा आपण सकारात्मक सूचनांना पुढे करत, आयुष्य पुढे घेऊन जाण्याची घाई करतो, तेव्हा आपण ज्याच्याशी बोलत आहोत, त्या व्यक्तीच्या खऱ्या वेदनादायक अनुभवावर अच्यार्य करतो. ही सकारात्मकता खरोखर घातक असते. कारण, ती त्या व्यक्तीला स्वतःची जन्मभूत ताकद वापरू देत नाही. याला 'विषारी सकारात्मकता' म्हणून ओळखतात. 'विषारी सकारात्मकता' म्हणजे आनंदी राहण्याचा किंवा आनंदाचा पाठलाग करण्याचा

गमावणे, आजारपण किंवा एखाद्या प्रिय व्यक्तीचे निधन यांसारख्या संवेदनाशील परिस्थितींचा सामना करत आहेत, तेव्हा त्यांना उज्वल बाजूकडे पाहण्याची आवश्यकता आहे, असे सातत्याने सांगितले जाणे कधी कधी क्रूर वाटू शकते. काही प्रकरणांमध्ये, 'विषारी सकारात्मकता' अपमानास्पद व्यक्ती दुसऱ्या व्यक्तीच्या भावना आणि अनुभवांचे अवमूल्यन करण्यासाठी याचा वापर करू शकते. आपल्याबरोबर काहीतरी चूक घडते आहे व अशा स्थितीत आपल्याला सकारात्मक दृष्टिकोन ठेवणे खूप कठीण आहे, हे जाणून घेणे आवश्यक आहे. उदाहरणार्थ, एखाद्या गंभीर आजारच्या शोकातिकेनंतर, काहीवेळा लोकांना हेच कळत नाही की त्यांचा थेट परिणाम झालेल्या लोकांची आपण काय

बोलावे. कठीण गोष्टींबद्दल संभाषण करण्यापेक्षा 'विषारी सकारात्मकता' सहज वाटू शकते. दुर्दैवाने, 'विषारी सकारात्मकते'मुळे अनेकदा आपण इतरांना आधार देण्याऐवजी त्यांना पंगू बनवतो, एकटे पाडतो. जेव्हा आपण प्रामाणिकपणे स्वतःला विचारातो की, आपल्या आयुष्यातील कोणती व्यक्ती आपल्यासाठी सर्वात जास्त महत्त्वाची आहे, तेव्हा आपल्याला असे जाणवते की ज्यांनी नुसता सल्ला, उपाय किंवा उपचार देण्याऐवजी, आपल्या वेदना समजून घेऊन आपल्याला प्रेमाची उब दिली, ती सुंदर मनाची माणसे खरेच आपली होती. 'विषारी सकारात्मकते'कडे न हरवून जाऊ, कठीण परिस्थितीशी सामना करण्याचे आणि पुढे जाण्याचे निरोगी मार्ग आहेत, ते समजावून घेऊन पुढील लेखात. (क्रमशः)

**पाऊस आणतो संधिवात, क्युअरआन ने करू त्यावर मात!**

चटकन निरते  
 त्वरित परिणाम करते  
 वेदना मुळापासून दूर करते  
 सर्व प्रकारच्या संधिवातासाठी उपयुक्त

**CuroOn Plus Pain Relief Oil**

वातामनासाठी प्रभावी आयुर्वेदिक वसुंधी

निर्मुषी, साहज, तीव्र तेज

100% आयुर्वेदिक वेदनाशामक तेल

३०, ६०, १०० आणि २०० मिली. मध्ये उपलब्ध.

Pitambari Products Pvt. Ltd. Mumbai : 9322971635, CRM: 022 - 6703 5564 / 5699, Toll Free: 1800 103 1299. CIN: U74110MH1989PTC051314. Visit On: www.pitambari.com

**सेंट्रल बँक ऑफ इंडिया Central Bank of India**

**चला उज्वल भविष्याच्या दिशेने Fly towards a bright future.**

**Cent Vidyarthi Education Loan**

कमी व्याज दर  
 जलद प्रक्रिया  
 Low rate of interest  
 Quick processing

30 जून 2023 रोजी संपलेल्या तिमाहीसाठी अलेखापरीक्षित स्टॅंडअलोन आणि एकत्रित आर्थिक परिणाम

क्र.	तपशील	एकल				एकत्रित			
		30.06.2023 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	30.06.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2022 लेखापरीक्षित	30.06.2023 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	30.06.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित
1	एकूण परिचालन उत्पन्न	8,18,392	8,56,745	6,35,748	29,62,560	8,21,802	8,59,668	6,38,724	29,74,159
2	या कालावधीसाठी निव्वळ नफा / (तोटा) (कर-पूर्व, विशेष तथा/ किंवा असाधारण वस्तू)	1,02,499	90,315	30,764	2,64,534	1,10,507	92,597	34,819	2,75,148
3	या कालावधीसाठी कर-पूर्व निव्वळ नफा / (तोटा) (विशेष तथा/ किंवा असाधारण वस्तूंचा पडता)	1,02,499	90,315	30,764	2,64,534	1,10,507	92,597	34,819	2,75,148
4	या कालावधीसाठी कर-पश्चात निव्वळ नफा / (तोटा) (विशेष तथा/ किंवा असाधारण वस्तूंचा पडता)	41,843	57,103	23,478	1,58,220	49,498	59,100	27,290	1,67,878
5	कालावधीसाठी एकूण सर्वसमावेशक उत्पन्न [या कालावधीसाठी नफा/ (तोटा) (करानंतर) आणि इतर सर्वसमावेशक उत्पन्न (करानंतर)]	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3	संदर्भ सूचना 3
6	भरलेला इंडिटी शेअर निधी (दरनी मूल्य रु. 10/- प्रति शेअर)	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094	8,68,094
7	राखीव निधी (पुनर्मुल्यांकन राखीव निधी सोडून)	-	-	-	16,77,838	-	-	-	16,88,621
8	प्रतिभूति प्रीमियम खाते	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663	7,46,663
9	निव्वळ मूल्य	25,88,155	25,44,941	24,05,297	25,44,941	26,05,704	25,54,832	24,10,131	25,54,832
10	चुक्ता ऋण (पूँजी/बकाया ऋण (%))	25.21%	30.79%	20.69%	30.79%	24.57%	30.00%	20.42%	30.00%
11	धककाठी विमोचन प्राधान्य शेअर्स	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कर्ज इंडिटी गुणोत्तर	0.19	0.14	0.21	0.14	0.19	0.14	0.21	0.14
13	प्रति शेअर आय (प्रति रु 1/-) (वार्षिकीकृत नाही)	0.48	0.66	0.62	1.82	0.57	0.68	0.31	1.93
14	(चावू एवं बंद परिसराला के लिए)	0.48	0.66	0.27	1.82	0.57	0.68	0.31	1.93
15	मांडविल विमोचन राखीव	-	-	-	-	-	-	-	-
16	शिबेर मोचन आरक्षित निधि	-	-	-	-	-	-	-	-
17	कर्ज सेवा व्याप्ती अनुपात	-	-	-	-	-	-	-	-
18	व्याज सेवा व्याप्ती अनुपात	-	-	-	-	-	-	-	-

सूचना 1: वरील विवरण सैदी (सूची आणि इतर प्रकटीकरण आवश्यकता) नियमावली, 2015च्या नियम 33 आणि 52 अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजमध्ये दाखल केलेल्या तिमाही आर्थिक निकालांच्या तपशीलवार स्वरूपाचा एक उतारा आहे. तिमाही आर्थिक निकालांचे संपूर्ण स्वरूप स्टॉक एक्सचेंजचे संकेतस्थळ: www.bseindia.com, www.nseindia.com आणि बँकेचे संकेतस्थळ: www.centralbankofindia.co.in वर उपलब्ध आहे.

सूचना 2: सूचीबद्ध नियमांच्या नियम 52(4) मध्ये संदर्भित केलेला लागू असलेल्या इतर लाइन आयटमसाठी, संपर्क खुलासे स्टॉक एक्सचेंज (BSE लिमिटेड आणि नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) मध्ये केले गेले आहेत आणि हे आपण सूत्रावर [www.bseindia.com, www.nseindia.com] वर पाहू शकता.

सूचना 3: एकूण सर्वसमावेशक उत्पन्न आणि इतर सर्वसमावेशक उत्पन्नाशी संबंधित माहिती सादर केलेली नाही कारण आयटमडीएस एआय बँकेला लागू केलेली नाही.

सूचना 4: सध्याच्या कालावधीच्या वार्षिकीकृत सूत्रांत राहण्यासाठी आवश्यक वाटते असेल तेथे मगनील कालखंडातील आकडेवारीचे पुनर्गठन/पुनः वर्गीकरण करण्यात आले आहे.

डिवाण: मुंबई  
 दिनांक: 17 जुलै, 2023

विवेक वाही  
 कार्यकारी निदेशक

एम व्ही सुरलीकृष्ण  
 कार्यकारी निदेशक

एम व्ही राव  
 व्यवस्थापकीय संचालक आणि मुख्य कार्यकारी अधिकारी

www.centralbankofindia.co.in | सेवू सगळे कसे करू | CentralBankofIndia | टेल फ्री नंबर: 1800 22 1911